

प्रीलिमिंस फैक्ट्स : 10 मई, 2018

व्यापार उपाय महानदेशालय

भारत सरकार ने 7 मई, 2018 को भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम, (Allocation of Business), 1961 में संशोधन कर वाणिज्य विभाग में 'डंपिंग रोधी एवं संबद्ध शुल्क महानदेशालय' (Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties-DGAD) के स्थान पर 'व्यापार उपाय महानदेशालय' (Directorate General of Trade Remedie - DGTR) का सृजन किया।

- इससे एकीकृत एकल छत्र (अम्बरेला) राष्ट्रीय प्राधिकरण के सृजन का मार्ग प्रशस्त हो गया है जो व्यापार उपाय महानदेशालय (DGTR) के नाम से जाना जाएगा।
- DGTR का सृजन देश में एक व्यापक एवं त्वरित व्यापार सुरक्षा व्यवस्था के निर्माण के उद्देश्य से किया गया है।
- व्यवसाय आवंटन नियमों में किए गए संशोधन के माध्यम से वाणिज्य विभाग को मात्रात्मक न्यंत्रण संबंधी उपायों की सफ़ारिश करने से संबंधित कार्य करने की भी ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।
- नई व्यवस्था के तहत 'वदेश व्यापार महानदेशालय' (DGFT) के 'डंपिंग रोधी एवं संबद्ध प्रशुल्क महानदेशालय' (DGAD), रक्षोपाय महानदेशालय (DGS) और मात्रात्मक प्रतिबंध (QR) संबंधी कार्य DGTR के दायरे में आ जाएंगे। परिणामतः इन सभी का वलिय एकल राष्ट्रीय निकाय में करना संभव होगा।
- डंपिंग रोधी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी की जाँच और मात्रात्मक प्रतिबंध संबंधी उपाय DGTR के दायरे में आएंगे।
- DGTR वाणिज्य विभाग के एक संबद्ध कार्यालय के रूप में काम करेगा।
- डंपिंग रोधी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी एवं मात्रात्मक प्रतिबंध शुल्क लगाने के लिए DGTR द्वारा की जाने वाली सफ़ारिशों पर राजस्व विभाग विचार करेगा।

15वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद

15वें वित्त आयोग (Fifteenth Finance Commission) ने एक सलाहकार परिषद (Advisory Council) का गठन किया है जो आयोग को परामर्श देने के साथ-साथ आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगी। सलाहकार परिषद की भूमिका और उसके कामकाज-

- आयोग के विचारार्थ वषियों (Terms of Reference - ToR) अथवा किसी ऐसे मामले पर आयोग को परामर्श देना जो प्रासंगिक हो सकता है।
- ऐसे प्रपत्र अथवा अनुसंधान को तैयार करने में मदद प्रदान करना जो विचारार्थ वषियों में शामिल मुद्दों पर आयोग की समझ बढ़ाएंगे।
- वित्तीय हस्तांतरण से संबंधित वषियों पर सर्वोत्तम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं का पता लगाने के साथ-साथ आयोग की सफ़ारिशों की गुणवत्ता एवं पहुँच उनके कार्यान्वयन को बेहतर करने के लिए आयोग के दायरे एवं समझ का विस्तार करने में मदद करना।

मत्तिय फफूंद से कृषि अवशेषों का नसितारण

चंद्रशेखर आज़ाद (CSA) कृषि विश्वविद्यालय के प्लांट पैथोलॉजी विभाग ने वायु प्रदूषण को रोकने के लिए एक नया उपाय खोजा है। शोधकर्त्ताओं ने एक खास तरह की मत्तिय फफूंद विकसित की है, जिसकी सहायता से कृषि अपशषिट को खाद के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।

- इस प्रक्रिया के अनुप्रयोग से कृषि अपशषिटों को जलाने, फसलों की कटाई के बाद उनके अवशेषों का नसितारण करने संबंधी समस्या का हल संभव होगा।
- ट्राइकोडरमा (फफूंद) की इस खास प्रजाति को जैव न्यंत्रित प्रयोगशाला में विकसित किया गया है। गौरतलब है कि यह फफूंद तीन से चार महीने में अपशषिटों को खाद में परिवर्तित कर देती है।
- शोधकर्त्ताओं द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, ट्राइकोडरमा को नगर के जैव अपशषिट कचरे में प्रयोग किया जा सकता है, यह प्लास्टिक और पॉलीथिन (अजैव अपशषिट) के संदर्भ में काम नहीं करेगा।
- इससे पहले मंदारों में चढ़ाए जाने वाले फूलों को खाद में परिवर्तित करने के लिये मत्तिय फफूंद का इस्तेमाल किया जा चुका है जिसके इसके बेहतर परिणाम प्राप्त हुए।

- मत्तलर फरुंद का इस्तेमाल करके कृषल अवशेष की समसुा को तो दूर कतल ही जा सकतल है, सलथ ही कृषल अवशेषों को जलाने से उत्पन्न होने वलले धुरें से वलतु प्रदूषण के खतरे से भी बचल जा सकतल है । सलथ ही, यह आरुथकल दृषुट से भी कसलनों के लतल फलतदेमंद सलबतल होगी ।

घदुनतल की सलसे पुरलनी चदुतलन ओडशलल में

लगभग आठ सलल पहले ओडशलल के कंदुइसर ज़ललल में चमपुआ नलमक सुथलन से एक चदुतलन कल नमूनल प्रलप्त कतल गतल थल जसलने भरलत को वशलव के भूगर्भीत शोधों में सलसे आगे रखल है । वैजुनलकलओं ने चदुतलन में मैगमैटकल ज़रलकॉन (एक खनजल जसलमें रेडतलधरुमी आइसोटोप के लकषण पलए जलते हैं) कल पतल लगलतल है, जो अनुनलनत: 4,240 मलतलन वरुष पुरलनल है- यह पृथुवी के प्रलरंभकल वरुषों कल अधुतन करने की दृषुट से एक बहुत बड़ी उपलबुधल है ।

- चदुतलन में पलतल गतल 4.2 बलतलन पुरलनल ज़रलकॉन (zircon) पृथुवी की उत्पत्तल के संबुध में तलजल संकेत प्रदलन करतल है ।
- यह खोज चलइनीज़ एकेडमी ऑफ जतलोलुऑकलल सलइसेज़, बीजगल के शोधकरुतुतलओं के सलथ-सलथ कलकतुतल वशलवदलतलतल तथल करुटनल वशलवदलतलतल, मलेशलतल के भूवैजुनलकलओं दवलरल की गई ।
- इस पुरलने ज़रलकॉन कल एकमलतुर उदलहरण जैक हलल, पश्चलमी ऑसुदुरेलतल में पलतल गतल थल जो 4,400 मलतलन वरुष पुरलनल है तथल सलसे प्रलचीन जुऑत चदुतलन कल नमूनल है ।
- सधलभूम चदुतलन जसलकल नरलमलण मैगमल दवलरल हुआ थल, के वपलरलत ऑसुदुरेलतल में पलए गए ज़रलकॉन कल नरलमलण रूपलंतरतल अवसलदी शैल से हुआ थल ।
- इस प्रकर, सधलभूम चदुतलन (जहलं से जरलकॉन प्रलप्त कतल गतल), वशलव की दूसरी सलसे पुरलनी चदुतलन है तथल उसमें पलतल गतल ज़रलकॉन पृथुवी पर सलसे पुरलनल मैगमैटकल ज़रलकॉन है ।
- इसके वशल्लेषण के लए जसल मशीन कल प्ररुतुतल कतल गतल उसकल नलम सेंसेटलवल हलई रज़लुलुतुशन आयन मलइकुरोब (Sensitive High Resolution Ion Microprobe -SHRIMP) है । यह भरलत में उपलबुध नहीं है ।
- वशल्लेषण में 4,240 मलतलन और 4,030 मलतलन वरुष पुरलने दो जरलकॉन कणों की उपसुथतल की पुषुट की गई है ।
- इसकल अधुतन पृथुवी के इतलहलस के शुरुआतल कुछ सौ मलतलन वरुषों में पलनी की उपसुथतल के बलरे में बहुमूलुतल जलनकलरी प्रदलन करेगल । यह हमे प्लेट ववलरुतनलकल (Plate Tectonics) की शुरुआत के बलरे में भी जलनकलरी देगल ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-10-05-2018>

